परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि बैनोल–16 जिसका क्षेत्रफल 7.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 118 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 से कम प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि बैनोल–2 जिसका क्षेत्रफल 10.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 146 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि सुनाली–2, जिसका क्षेत्रफल 10.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 196 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि धामकोटी जिसका क्षेत्रफल 10.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 173 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड, सुरई, मेहल़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जेखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि बैनोल–15 जिसका क्षेत्रफल 3.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 105 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 से कम प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि सुनाली–9 जिसका क्षेत्रफल 5.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 109 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 से कम प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला

परियोजना का नाम – जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षोरोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र–

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना 44 मेगावाट के निर्माण हेतु वनभूमि हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित आरक्षित एवं सिविल वनभूमि (24.317 है0) के बदले दुगुनी अवनत भूमि रौन–3बी जिसका क्षेत्रफल 5.00 है0 का निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया है कि क्षेत्र में औसत वृक्षों की संख्या प्रति है0 209 वृक्ष है, एवं वृक्षों की प्रजाति मुख्यतः चीड़ है। जिसका औसत वन घनत्व 0.3 प्रतीत होती है तथा वन भूमि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपुयक्त है।

प्रभागीय वनाधिकारी,
टौन्स वन प्रभाग, पुरोला